BPSE-144

कला स्नातक (सामान्य)
और
कला स्नातक (ऑनर्स) कार्यक्रमों हेतु विषय विशिष्ठ ऐच्छिक पाठ्यक्रम

(Discipline Specific Elective Course for BA General and BA (Honours) Programmes

सत्रीय कार्य 2021–22

BPSE-144:दक्षिण एशिया का परिचय

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नईदिल्ली– 110068

BPSE-144: दक्षिण एशिया का परिचय

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक। आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करन होंगे, जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत भारिता है। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **BPSE-144: दक्षिण एशिया का परिचय** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एव ंनिष्कर्ष के साथ लिखने होंगे।इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांच ना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में ंविषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जमा करनाः जैसाकि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करन होंगें।पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2021 के लिए	30 अप्रैल, 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2022 के लिए	31 अक्टूबर, 2022	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभालकर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा।कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली का भेजने होते हैं।

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय

BPSE-144: दक्षिण एशिया का परिचय

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPSE-144**
सत्रीय कार्य कोड : **BPSC-144/ASST/TMA/2021-22**
अधिकतम अंकः **100**

यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य–I

निम्न वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) वर्तमान विश्व व्यवस्था में दक्षिण एशिया के भू–राजनीतिक महत्व की व्याख्या करें। 20

2. दक्षिण एशिया में बाह्य शक्तियों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 20

सत्रीय कार्य–II

निम्न मध्यम श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

1. सार्क के सामने प्रमुख चुनौतियां क्या हैं? स्पष्ट करें। 10

2. दक्षिण एशिया में मुख्य भाषाई विभाजन कौन से हैं? समझाना। 10

3. दक्षिण एशिया में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

सत्रीय कार्य–III

निम्न लघु श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

1. दक्षिण एशिया में नागरिक समाज 6

2. दक्षिण एशिया में शरणार्थी मुद्दे 6

3. दक्षिण एशिया में नदी विवाद 6

4. भारत का सर्वोच्च न्यायालय 6

5. श्रीलंका में लिट्टे की भूमिका 6